(1) Lecture Series No. - 98.

Online class.
Date - 2/08/2020.
Day - Sunday.
Time - 10:to 10:50 A.M

TOPIC,

(1) The Seven

Dr. Surita Kumari
Depart. of Philosophy,
B.A Part - I
paper - (S.)
A.N.D. College Shahpur
Patory Samastipur,

Ans:-)

अभाव वैशेषिक दर्शन का सातवाँ पदार्थ है। अन्य छह पदार्थ भाव पदार्थ है। जबकि यह पदार्थ अभावात्मक है। द्रव्य, गुण, कर्म सामान्य विशेष और समवाय निरपेक्ष पदार्थ है। जबकि अभाव सापेक्षता के विचार पर आधारित है।

अभाव किसी वस्तु का होना कहा जाता है। जबकि अभाव सापेक्षता के विचार पर आधारित है। अभाव किसी वस्तु का होना कहा जाता है। प्रो० हिरियानों ने अभाव को स्पष्ट करते हुए कहा है :-> अभाव । से छने किसी

P.T.O.

विशेष स्थान और समूह में किसी वस्तु की अनुपस्थिति समझनी चाहिए। अभाव का अर्थ शून्य नहीं है जिसे अन्य वैशेषिक एक विचार शून्य मिथ्या धारणा कहकर उपहास करता है।

वैशेषिक दर्शन के प्रवर्तक महर्षि कणाद ने 'वैशेषिक सूत्र' में भाव की चर्चा 'प्रमेय' के रूप में कि है न कि प्रमाण के रूप में। किन्तु प्रशस्तपाद ने पदार्थ धर्म-संग्रह में अभाव का विशद में की है, न कि प्रमाण के रूप मे किन्तु प्रस्तपाद ~~ने धव~~ ने पदार्थ धर्म-संग्रह' में अभाव का विशद विवेचन किया है

"END"